जय शिव ओंकारा आरती हिंदी में

जय शिव ओंकारा प्रभु ॐ जय शिव ओंकारा ।
ब्रह्मा विष्णु सदा शिव अर्द्धांगी धारा ॥ ॐ जय शिव ओंकारा ...॥

एकानन चतुरानन पंचांनन राजे स्वामी पंचांनन राजे
हंसानन गरुड़ासन हंसानन गरुड़ासन
वृषवाहन साजे ॥ ॐ जय शिव ओंकारा ...॥

दो भुज चारु चतुर्भूज दश भुज ते सोहें स्वामी दश भुज ते सोहें
तीनों रूप निरखता तीनों रूप निरखता
त्रिभुवन जन मोहें ॥ ॐ जय शिव ओंकारा ...॥

अक्षमाला बनमाला मुंडमालाधारी स्वामी मुंडमालाधारी
त्रिपुरारी कंसारी कर माला धारी ॥ॐ जय शिव ओंकारा ...॥

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघाम्बर अंगें स्वामी बाघाम्बर अंगें
सनकादिक गरुणादिक भूतादिक संगे ॥ ॐ जय शिव ओंकारा ...॥

कर के मध्य कमंडलु चक्र त्रिशूल धर्ता स्वामी चक्र त्रिशूल धरता
जगकर्ता जगहर्ता जगकर्ता जगहर्ता
जगपालनकर्ता ॥ ॐ जय शिव ओंकारा ...॥

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका स्वामी जानत अविवेका
प्रणवाक्षर के मध्यत प्रणवाक्षर के मध्य
ये तीनों एका ॥ ॐ जय शिव ओंकारा ...॥

त्रिगुण स्वामीजी की आरती जो कोई नर गावें स्वामी जो कोई जन गावें
कहत शिवानंद स्वामी कहत शिवानंद स्वामी
मनवांछित फल पावें ॥ ॐ जय शिव ओंकारा ...॥

ओम जय शिव ओंकारा प्रभू जय शिव ओंकारा
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव ब्रह्मा विष्णु सदाशिव
अर्धांगी धारा ॥ ॐ जय शिव ओंकारा ...॥